मासिक ई-समाचार पत्रिका

डॉ० राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय

पूसा, समस्तीपुर-848 125, बिहार

डॉ. कृष्ण कुमार
माननीय कुलपति

खंड–3, अंक–08
अगस्त, 2022

संरक्षक:
डॉ. कृष्ण कुमार
माननीय कुलपति

संकलन एवं संपादन:
डॉ. राकेश मणि शर्मा
पी. कु. प्रणव
एम.एल. मीणा
कुमारी सपना
आशीष कुमार पंडा
सुधा नंदनी
गुप्तनाथ त्रिवेदी

तकनीकी सहयोग:
मनीष कुमार
कामदेव कुमार पाल

मुद्रण:
प्रकाशन प्रभाग
डॉ. राजेन्द्र प्रसाद केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय, पूसा

संपर्क:
www.rpcau.ac.in
publicationdivision@rpcau.ac.in

माननीय कुलपति महोदय का सन्देश

भारत में संगठित कृषि अनुसंधान और शिक्षा की जननी तथा कृषि की समृद्ध विरासत के रूप में प्रतिष्ठित डॉ. राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय, पूसा के कुलपति का पदभार ग्रहण करना मेरे लिए हर्ष एवं सम्मान का विषय है। विश्वविद्यालय के शीर्ष नेतृत्व की कर्तव्यनिष्ठा एवं कार्यों के प्रति समर्पण आज के समय की मांग है जिससे मैं पूर्ण रूपेण भिज्ञ हूँ। मुझे यह भी ज्ञातव्य है की यदि विश्वविद्यालय में बेहतर शोध वातावरण और सुविधा प्रदान की जाये तो विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों में अच्छे शोध एवं बेहतर तकनीकों को विकसित करने की क्षमता है। मैं अपने शिक्षकों/वैज्ञानिकों को अकादमिक और अनुसंधान के लिए एक बेहतर पारितंत्र निर्माण करने का आश्वासन देता हूँ। मैं उनसे गुणवत्तापूर्ण अनुसंधान परियोजनाओं को लाने एवं किसानों के अनुकूल प्रौद्योगिकियों को विकसित करने की अपील करता हूँ। हमारे वैज्ञानिकों को किसानों के मुद्दों को एकत्रित कर मुद्दों को हल करने और किसानों की आय बढ़ाने के उद्देश्य से अनुसंधान प्रस्ताव तैयार करना चाहिए तथा हमारे शोध का लक्ष्य किसानों की आवश्यकतानुसार तय किये जाने चाहिए।

मैं अपने प्रिय छात्रों का कैंपस में वापस स्वागत करता हूँ और उन्हें सलाह देता हूँ कि वे विश्वविद्यालय में दुर्भाग्यपूर्ण घटनाओं से आगे बढ़कर अपनी पढ़ाई पर ध्यान केंद्रित करें। अब, जब विश्वविद्यालय में स्थिति सामान्य हो गयी है, मैं इस विश्वविद्यालय को उच्च शिक्षा और अनुसंधान की जीवंत संस्था बनाने के लिए सभी से सहयोग की अपील करता हूँ।

मैं समस्त विश्वविद्यालय परिवार एवं छात्रों को स्वतंत्रता दिवस की ढेरों शुभकामनाएं देता हूँ।

जय हिंद।

माननीय कुलपति महोदय का संलग्नता

- दिनांक 01.07.2022 को विद्यापति सभागार, पूसा में रा.प्र.के.कृ.वि., पूसा के सभी शिक्षण/गैर-शिक्षण/संविदा कर्मचारियों को संबोधित किया।
- दिनांक 02.07.2022 को रा.प्र.के.कृ.वि., पूसा के शिक्षा परिषद की बैठक की अध्यक्षता की।
- दिनांक 03.07.2022 को कृषि विज्ञान केंद्र -सुखेत, मधुबनी और क्षेत्रीय अनुसंधान केंद्र-झंझारपुर का दौरा किया।
- दिनांक 07-09 जुलाई, 2022 के दौरान रुद्राक्ष कन्वेंशन सेंटर, वाराणसी, उत्तर प्रदेश में 3-दिवसीय शिक्षा शिखर सम्मेलन, 2022 में भाग लिया।
- दिनांक 11.07.2022 को जलवायु अनुकूल कृषि की संचालन समिति की बैठक में भाग लिया।
- दिनांक 15.07.2022 को विश्वविद्यालय के पंचतंत्र हॉल, में रा.प्र.के.कृ.वि. पूसा और सेंटर फॉर सेल्युलर एंड मॉलिक्यूलर प्लेटफॉर्म, बैंगलोर के सहयोग से "उद्यमिता जागरूकता कार्यक्रम" का उद्घाटन की।

- दिनांक 16.07.2022 को नई दिल्ली में भा.कृ.अनु.प. के 94वें स्थापना दिवस और पुरस्कार समारोह में भाग लिया।
- दिनांक 19.07.2022 को वर्चुअल मोड के माध्यम से नीति आयोग द्वारा आयोजित "मैपिंग एंड एक्सचेंज ऑफ गुड प्रैक्टिसेज" के शुभारंभ के लिए कार्यशाला में भाग लिया।
- दिनांक 20.07.2022 को रा.प्र.के.कृ.वि, पूसा और रिसर्च फॉर रिसर्जेंस फाउंडेशन (आर.आर.एफ) के बीच समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर समारोह की अध्यक्षता की।
- दिनांक 22-23 जुलाई, 2022 के दौरान एन.ए.एस.सी कॉम्प्लेक्स, नई दिल्ली में भा.कृ.अनु.प. के सहयोग से भारतीय स्वतंत्रता के 75 गौरवशाली वर्षों के अवसर पर "स्वदेशी और वैश्विक समृद्धि के लिए भारतीय कृषि का उपयोग" विषय पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया।

- दिनांक 26.07.2022 को लक्ष्मी राजदेव इंटर कॉलेज, पियर, मुजफ्फरपुर द्वारा आयोजित "आज़ादी का अमृत महोत्सव और स्वतंत्रता संग्राम के गुमनाम सेनानियों का स्मरण" विषय पर एक आयोजित सेमिनार में मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया।
- दिनांक 28.07.2022 को माननीय कुलाधिपति द्वारा "वैदिक और उत्तर-वैदिक कृषि विज्ञान" पर प्रेरणादायक भाषण में भाग लिया।
- दिनांक 28.07.2022 को रा.प्र.के.कृ.वि और (i) भा.कृ.अनु.प.- भारतीय गन्ना अनुसंधान संस्थान, लखनऊ, (ii) वन उत्पादकता संस्थान, रांची, (iii) पर्यावरण-पुनर्वास के लिए वन अनुसंधान केंद्र, प्रयागराज और (iv) भा.कृ.अनु.प.- राष्ट्रीय कृषि महत्वपूर्ण सूक्ष्मजीव ब्यूरो, मऊ के बीच समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर समारोह की अध्यक्षता किया।
- दिनांक 29.07.2022 को विद्यापति सभागार, RPCAU पूसा में आज़ादी का अमृत महोत्सव के तहत "उज्जवल भारत -उज्जवल भविष्य" पावर @2047" में मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया।

शैक्षणिक गतिविधियाँ

कैलेंडर कॉन्सेप्टथॉन

दिनांक 17 अगस्त 2022 को भारतीय कृषि अभियंताओं के सहयोग से कृषि अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय द्वारा बाजरा पर एक इंजीनियरिंग नवाचार प्रतियोगिता, "कैलेंडर कॉन्सेप्टथॉन" का आयोजन किया गया । इसका उद्देश्य बाजरे पर इंजीनियरिंग के संबंध में उस महीने की गतिविधियों से मेल खाने वाले इंडियन सोसाइटी ऑफ एग्रीकल्चरल इंजीनियर्स कैलेंडर के 12 महीनों के लिए 12 डिजाइन / स्केच / चित्र के रूप में युवा ऊर्जावान छात्रों से विचार एकत्र करना था। विभिन्न कृषि अभियांत्रिकी महाविद्यालयों की कुल 10 टीमों ने प्रतियोगिता में भाग लिया और अपने नवीन विचारों को वस्तुतः प्रस्तुत किया। प्रतियोगिता में विजेताओं को उनके अभिनव विचारों को प्रेरित करने और अपनाने के लिए नकद पुरस्कार दिया गया। चयनित डिजाइन इंडियन सोसाइटी ऑफ एग्रीकल्चरल इंजीनियर्स कैलेंडर के उपयुक्त पृष्ठों पर मुद्रित किए जाएंगे।

एग्री-वेयर मैनेजमेंट पीजी डिप्लोमा प्रोग्राम के एग्रीप्रेन्योर्स

कृषि अभियांत्रिकी और प्रौद्योगिकी महाविद्यालय ने कृषि-भंडारण प्रबंधन में पीजी डिप्लोमा कार्यक्रम कर रहे सी.ए.ई.टी के दो छात्रों, श्री उत्पलकांत चौधरी और श्री सुमित कुमार को तकनीकी सहायता प्रदान की। उन्होंने डॉ. अंबरीश कुमार, अधिष्ठाता कृषि अभियांत्रिकी और प्रौद्योगिकी महाविद्यालय और डॉ विशाल कुमार, कोर्स कोऑर्डिनेटर के मार्गदर्शन में "एग्रीटेरिया फार्मर्स प्रोड्यूसर्स कंपनी" (एफपीसी) के नाम से स्टार्ट-अप के रूप में अपना उद्यम शुरू किया।

रा.प्र.के.कृ.वि. और रिसर्च फॉर रिसर्जेंस फाउंडेशन (आर.आर.एफ) के बीच समझौता ज्ञापन

रा.प्र.के.कृ.वि के समस्त संकाय सदस्यों और छात्रों ने रा.प्र.के.कृ.वि. और रिसर्च फॉर रिसर्जेंस फाउंडेशन (आरआरएफ) के बीच 20.07.2022 को विद्यापति सभागार में आयोजित समझौता ज्ञापन समारोह में भाग लिया। सत्र की अध्यक्षता प्रसिद्ध शिक्षाविद् श्री मुकुल कानिटकर जी, सचिव, भारतीय शिक्षण मंडल ने की। उन्होंने आधुनिक भारत में प्राचीन शिक्षा प्रणाली की प्रासंगिकता पर छात्रों को संबोधित किया।

डॉ. एस.के. पटेल, विभागाध्यक्ष एफ.एम.पी.ई, कृषि अभियांत्रिकी और प्रौद्योगिकी महाविद्यालय ने दिनांक 26 और 27 जुलाई, 2022 को अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना के प्रगति समीक्षा बैठक और खरीद समीक्षा बैठक में भाग लिया।

"कृषि मशीनरी सेवाएं और रखरखाव-तकनीशियन" के लिए कौशल विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम"

कृषि मशीनरी और पावर इंजीनियरिंग विभाग, कृषि अभियांत्रिकी और प्रौद्योगिकी महाविद्यालय में क्रमशः 15 और 25 जुलाई, 2022 को "सेवाएं और रखरखाव तकनीशियन-कृषि मशीनरी" पर दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू हुए। ये प्रशिक्षण कार्यक्रम बिहार सरकार के कौशल विकास कार्यक्रम के तहत आयोजित किया गया। कृषि मशीनरी की मरम्मत और रखरखाव के लिए सेवा प्रदाता बनाने के लिए डॉ. अंबरीश कुमार, अधिष्ठाता, कृषि अभियांत्रिकी और प्रौद्योगिकी महाविद्यालय, डॉ एस. के. पटेल, विभागाध्यक्ष, एफ.एम.पी.ई, जिला कृषि अधिकारी, समस्तीपुर, कृषि अभियांत्रिकी और प्रौद्योगिकी महाविद्यालय के संकाय सदस्य और कर्मचारी उद्घाटन सत्र में उपस्थित रहे।

माननीय कुलपति, रा.प्र.के.कृ.वि., पूसा ने दिनांक 05.07.2022 को ढोली परिसर का दौरा किया और महविद्यालय के वैज्ञानिकों से बातचीत की। इस अवसर पर अधिष्ठाता, तिरहुत कृषि महाविद्यालय, ढोली और निदेशक, बीज एवं फार्म भी उपस्थित रहे।

माननीय कुलाधिपति डॉ. पी.के. मिश्रा जी ने 29 जुलाई, 2022 को तिरहुत कृषि महाविद्यालय, ढोली और उसके विभिन्न विभागों और ई.एल.पी इकाइयों का भ्रमण किया। माननीय कुलाधिपति ने न केवल महाविद्यालय के वैज्ञानिकों और कर्मचारियों के साथ बातचीत की, बल्कि अपनी यात्रा की याद में तिरहुत कृषि महाविद्यालय परिसर में सजावटी पेड़ भी लगाए।

मत्स्यकी महाविद्यालय, ढोली: में भी माननीय कुलाधिपति महोदय ने री-सर्कुलेटरी एक्वाकल्चर सिस्टम (आरएएस), बायो-फ्लोक, प्रॉन हैचरी, सीओएफ, ढोली की सजावटी मछली प्रयोगशाला का दौरा किया। उन्होंने संकायों और छात्रों के साथ भी बातचीत की और बहुमूल्य सुझाव दिए। साथ ही कृषि अभियांत्रिकी और प्रौद्योगिकी महाविद्यालय, पूसा संकायों और छात्रों के साथ बातचीत की और कॉलेज में शुरू किए गए नए शैक्षणिक कार्यक्रमों की सराहना की।

तिरहुत कृषि महाविद्यालय, ढोली के 2018-22 बैच के 87 छात्रों ने स्नातक (कृषि) कार्यक्रम में सफलता प्राप्त की एवं श्री रिंटो नंदी अपने बैच में अव्वल रहे।

अनुसंधान गतिविधियाँ

- **बाजरा उत्पादन पर प्रशिक्षण कार्यक्रम : भा.कृ.अनु.प.** -अखिल भारतीय समन्वित अनुसन्धान परियोजना, बाजरा, तिरहुत कृषि महाविद्यालय, ढोली केंद्र द्वारा उक्त कार्यक्रम आयोजित किया गया और माननीय कुलपति, रा.प्र.के.कृ.वि., पूसा ने 6 जुलाई, 2022 को तिरहुत कृषि महाविद्यालय, ढोली के सी.आई.एल में कार्यक्रम का उद्घाटन किया जिसमे 25 किसानों ने प्रशिक्षु के रूप में भाग लिया। कार्यक्रम में डॉ. अशोक के. सिंह, अधिष्ठाता, तिरहुत कृषि महाविद्यालय, ढोली और डॉ. पी.पी. सिंह, निदेशक बीज एवं फार्म एवं सभी एआईसीआरपी बाजरा वैज्ञानिक और प्रशिक्षु इस अवसर पर उपस्थित रहे।

- **कंद फसलों पर भा.कृ.अनु.प -अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना** के चल रहे परीक्षणों की समीक्षा निदेशक अनुसंधान, रा.प्र.के.कृ.वि., पूसा ने 17 जुलाई 2022 को तिरहुत कृषि महाविद्यालय, ढोली परिसर में चल रहे कंद फसलों पर भा.कृ.अनु.प -अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना के चल रहे परीक्षणों के दौरे के दौरान की। उनके दौरे के दौरान अधिष्ठाता तिरहुत कृषि महाविद्यालय, ढोली, निदेशक, बीज एवं फार्म और अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना के सभी वैज्ञानिक भी मौजूद थे।

- **आदिवासी उप योजना के तहत 15–17 जुलाई, 2022 तक तिरहुत कृषि महाविद्यालय, ढोली** के सी.आई.एल में "कंद फसलों की वैज्ञानिक खेती" पर तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मुजफ्फरपुर के मुरौल प्रखंड के 25 अनुसूचित जाति के किसानों ने प्रशिक्षु के रूप में भाग लिया। प्रशिक्षण का उद्घाटन निदेशक बीज एवं फार्म द्वारा किया गया। समापन सत्र के दौरान, निदेशक अनुसंधान मुख्य अतिथि थे और अधिष्ठाता, तिरहुत कृषि महाविद्यालय ढोली ने समारोह की अध्यक्षता की।

- **वार्षिक समीक्षा बैठक में वैज्ञानिकों की भागीदारी**

दिनांक 13 - 14 जुलाई, 2022 को तिरहुत कृषि महाविद्यालय, ढोली के वैज्ञानिको ने बागवानी महाविद्यालय और अनुसंधान स्टेशन, पेरियाकुलम,तमिलनाडु में आयोजित सुपारी और मसाला विकास निदेशालय, खोजिकोड, केरल द्वारा आयोजित एकीकृत बागवानी विकास मिशन के तहत योजनाओं की 16 वीं वार्षिक समीक्षा बैठक में मसाला विकास की केंद्र प्रायोजित योजना में भाग लिया और वार्षिक प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत की।

- **समस्तीपुर जिले** के ग्राम धरमपुर बांदे में दिनांक 22.07.22 को निदेशक अनुसंधान, रा.प्र.के.कृ.वि., पूसा की अध्यक्षता में हाइब्रिड चावल की खेती और सीप उत्पादन पर ऑन-फार्म प्रशिक्षण आयोजित किया गया।

- **मधुमक्खी पालन पर प्रशिक्षण कार्यक्रम** का आयोजन मधुमक्खी पालन केंद्र, कीट विज्ञान विभाग, स्नातकोत्तर महाविद्यालय, रा.प्र.के.कृ.वि., पूसा द्वारा 11-16 जुलाई 2022 तक किया गया। इस 06 दिवसीय स्व-वित्तपोषित प्रशिक्षण का उद्घाटन अधिष्ठाता, स्नातकोत्तर महाविद्यालय द्वारा किया गया। बिहार के छह अलग-अलग जिलों के कुल चालीस प्रतिभागियों ने भाग लिया।

- **मत्स्यकी महाविद्यालय ढोली, रा.प्र.के.कृ.वि., पूसा** में चल रहे विश्वविद्यालय वित्त पोषित परियोजना के तहत मागुर और सजावटी मछली (कोई कार्प) के फिंगरलिंग बेचे गए। मागुर फ्राई / फिंगरलिंग (1350 नग) राशि रु। 2950/- और सजावटी मछली (कोई कार्प) फ्राई (250 नग) लगभग रु. 2500/- किसानों को बेचे गए।

प्रसार गतिविधियाँ

- **कृषि विज्ञान केंद्र हरिहरपुर,** वैशाली और कृषि विज्ञान केंद्र शिवहर में ग्रामीण युवा प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए गए। कृषि विज्ञान केंद्र हरिहरपुर में, , कृषि अभियांत्रिकी के विषय वस्तु विशेषज्ञों ने 27 जून से 01 जुलाई, 2022 तक "केला फाइबर निष्कर्षण और रखरखाव" विषय पर प्रशिक्षण आयोजित किया, जिसमें कुल 22 ग्रामीण युवाओं ने भाग लिया। कृषि विज्ञान केंद्र, वैशाली में गृह विज्ञान के विषय वस्तु विशेषज्ञों द्वारा केले के रेशे हस्तशिल्प पर 04-08 जुलाई, 2022 तक प्रशिक्षण आयोजित किया गया जिसमें 27 ग्रामीण महिलाओं ने भाग लिया। इसी प्रकार, कृषि विज्ञान केंद्र शिवहर में 23-25 जुलाई, 2022 तक "मिल्की एंड ऑयस्टर मशरूम फार्मिंग" पर विषय वस्तु विशेषज्ञ (प्लांट पैथोलॉजी) द्वारा आर.वाई प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया, इसके बाद 26 जुलाई, 2022 को मशरूम की खेती पर एफ.एल.डी कार्यक्रम भी आयोजित किया गया। तीन महिला किसानों सहित उन्नीस किसानों ने कार्यक्रम में भाग लिया और दूधिया मशरूम की खेती के लिए किट प्राप्त की, जिसमें स्पॉन, पॉलिथीन बैग, रबट बैंड, फॉर्मेलिन और बाविस्टिन शामिल हैं। एफएलडी द्वारा प्रायोजित आर. वाई प्रशिक्षण कार्यक्रम दूधिया मशरूम की खेती को बेहतर ढंग से समझाने में किसानों की सहायता करता है और शिवहर जिले में इस नई पद्धति को लागू करने के लाभों के बारे में जागरूकता बढ़ाता है।

- **भा.कृ.अनु.प. के 94वें स्थापना दिवस समारोह** 16 जुलाई, 2022 को कृषि विज्ञान केंद्र बिरौली, शिवहर और तुर्की में आयोजित की गयी, जहां कृषि और किसान कल्याण मंत्री द्वारा लाइव-टेलीकास्ट कार्यक्रम आयोजित किया गया और माननीय कृषि मंत्री श्री नरेंद्र सिंह तोमर जी ने कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई तथा सैकड़ों किसान अपने-अपने कृषि विज्ञान केन्द्रो के द्वारा कार्यक्रम में शामिल हुए। किसानों को अपनी आय दोगुनी करने हेतु विभिन्न डीएफआई की सफलता की कहानियां सुनाई गयीं जो अत्यंत लाभकारी रहा।

- **कृषि विज्ञान केंद्र, हरिहरपुर, वैशाली द्वारा दिनांक 29.07.2022** को वी.आई.पी. यात्रा का आयोजन किया जहां प्रस्तुतीकरण के माध्यम से कृषि विज्ञान केंद्र के कार्यक्रमों एवं उपलब्धियों का संक्षिप्त परिचय दिया गया। इस अवसर पर श्री प्राण कुमार दास, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष, किसान मोर्चा भाजपा, श्री रोहित वर्मा, महासचिव, जम्मू और कश्मीर, श्री वासुदेव गोनकर, राज्य अध्यक्ष गोवा, श्री उदय प्रभु देसाई, महासचिव गोवा, श्री सतीश कुमार, पूर्व विधायक राघोपुर, प्रगतिशील किसान श्री संजीव कुमार, कृषि विज्ञान केंद्र द्वारा संचालित एफपीओ के संरक्षक, श्री भारतेंदु ऋतुराज, श्री अंजनी कुमार और श्री प्रणय कुमार उपस्थित थे। कृषि विज्ञान केंद्र के कर्मचारियों के साथ सभी गणमान्य व्यक्तियों ने विभिन्न प्रदर्शन इकाइयों का दौरा किया, जिसमें केला फाइबर निष्कर्षण, केले के फाइबर निष्कर्षण मशीन का उपयोग करके केले के स्यूडोस्टेम से फाइबर निकालने का सही तरीका भी दिखाया गया।

- **कृषि विज्ञान केंद्र, बिरौली** ने कल्याणपुर प्रखंड के गांव लदौरा में प्रशिक्षण सह किसान गोष्ठी का आयोजन किया. इस गोष्ठी में लगभग 102 किसानों ने भाग लिया और मृदा स्वास्थ्य कार्ड, कृषि मशीनरी, कीट नियंत्रण, प्रसंस्करण के संरक्षण और अन्य से संबंधित सभी तकनीकों के लिए वैज्ञानिकों के साथ बातचीत की। किसानों को कृषि विज्ञान केंद्र में चल रहे सभी प्रशिक्षणों और उसमें पंजीकरण की प्रक्रिया के बारे में भी अवगत कराया गया।

- **कृषि विज्ञान केंद्र, तुर्की ने केरमा** गांव में दिनांक 13.07.2022 को बैंगन की फसल में प्ररोह बेधक के प्रबंधन के लिए फील्ड विजिट कम डायग्नोस्टिक सर्वेक्षण किया, जिसमें 19 किसानों ने भाग लिया और जैविक कीटनाशकों का उपयोग करके बैंगन में कीट के नियंत्रण के बारे में सीखा।
- **कृषि विज्ञान केंद्र तुर्की ने दिनांक 22.07.2022** को पटसारा गांव में सी.आर.ए परियोजना के तहत डी.एस.आर चावल में खरपतवार प्रबंधन पर एक ऑफ-कैंपस प्रशिक्षण कार्यक्रम भी आयोजित किया जिसमें 33 किसानों और कृषक महिलाओं ने भाग लिया। विषय वस्तु विशेषज्ञों ने चावल के खेत में खरपतवार प्रबंधन के बारे में भी चर्चा की।

अवार्ड, खेल और अन्य गतिविधियाँ

- **डॉ. दयाराम और डॉ. सुधा नंदनी,** को मशरूम पर अखिल भारतीय समन्वित अनुसन्धान परियोजना के पूसा केंद्र को माननीय उपमहानिदेशक (बागवानी), डॉ ए.के. सिंह के द्वारा दिनांक 11-12 जुलाई, 2022 के दौरान आर.एम.आर.सी, मुरथल, सोनीपत, हरियाणा में भा.कृ.अनु.प.-डी.एम.आर, सोलन द्वारा आयोजित अखिल भारतीय समन्वित अनुसन्धान परियोजना मशरूम की वार्षिक समूह बैठक में प्रसार गतिविधियों में उत्कृष्ट योगदान के लिए सम्मानित किया गया।

- **दिनांक 26 जुलाई, 2022 को डॉ. शिवेंद्र कुमार, सह-प्राध्यापक,** मत्स्यकी महाविद्यालय, ढोली ने मत्स्य पालन निदेशालय, बिहार सरकार द्वारा आयोजित "मछली फ़ीड उत्पादन और प्रबंधन: अवसर और चुनौतियां" पर एक दिवसीय कार्यशाला के दौरान "मछली फ़ीड निर्माण और इसके पोषण मूल्य" विषय पर व्याख्यान दिया।

- **दिनांक 26-29 जुलाई, 2022** के दौरान संयुक्त राष्ट्र के एफ.ए.ओ द्वारा वर्चुअल मोड में आयोजित 'पोषण के लिए मिट्टी पर वैश्विक संगोष्ठी' में डॉ शिवेश्वर प्रताप सिंह, सहायक प्राध्यापक, मृदा विज्ञान, रा. प्र.के.कृ.वि., पूसा ने "पूर्वी भारत की मिट्टी में चावल-मक्का फसल प्रणाली की उत्पादकता के लिए पोषक तत्व योगदान का आकलन करने के लिए चूक प्लॉट तकनीक" पर मौखिक सत्र में एक पेपर प्रस्तुत किया।

- **डॉ. अमित कुमार सिन्हा, सह प्राध्यापक,** एक्वाकल्चर और मत्स्य पालन विभाग, पाइन ब्लफ, यू.एस.ए में अरकंसास विश्वविद्यालय ने "विदेश के विश्वविद्यालयों / प्रयोगशालाओं में मत्स्य पालन में उच्च अध्ययन के अवसर" पर व्याख्यान दिया और मत्स्यकी महाविद्यालय, ढोली के छात्रों और संकायों से बातचीत की। उन्होंने छात्रों को विदेश में उच्च अध्ययन के लिए जाने और अपने भविष्य के प्रयास में समर्थन सुनिश्चित करने का सुझाव दिया।

- **सुश्री एलेना एंटनी, (बी.एफ.एससी.), बैच 2018-22** को वर्ष 2022-24 के लिए एक प्रतिष्ठित फेलोशिप, "एक्वाकल्चर में स्वास्थ्य प्रबंधन में इरास्मस मुंडस ज्वाइंट मास्टर्स" से सम्मानित किया गया है। वह गेन्ट यूनिवर्सिटी (बेल्जियम), नोर्गेस टेक्निस्क-नेचुरविटेंस्कापेलिज यूनिवर्सिटी (नॉर्वे), वैगनिंगन यूनिवर्सिटी (नीदरलैंड्स), यूनिवर्सिटैट ऑटोनोमा डी बार्सिलोना (स्पेन) और यूनिवर्सिटैट डी बार्सिलोना (स्पेन) से संयुक्त रूप से अपनी मास्टर डिग्री प्राप्त करेंगी।